



# श्री मुख्य वाणी गायन



## धोरीडा मा मूके

धोरीडा मा मूके तारी धूसरी  
वाटडी विस्मी गाडी भार भरी,  
धोरीडा मा मूके तारी धूसरी। टिक ॥

धोरीडा आरे मारे रे, हांरे तूने गोधे घणे रे।  
तूं तां नाके नथाणों रे, तूं तां बंध बंधाणो गुण आपणे रे ॥

धोरीडा अवाचक थयो रे, मुख थी न बोलाय रे।  
कल ने वेलूं रे धोरी, उवट ऊंचाणे स्वास मा खाय रे ॥

धोरीडा घणूं दोहेलूं छे रे, कीधां भोगवे रे।  
तारे कांधे चांदी रे, दुखड़ा सहे रे ॥

धोरीडा जाय रे उजाणी, द्रोडा द्रोड तूं आवे।  
दया रे विना रे, बेठ मारडी पडावे ॥

धोरीडा वही ने छूटे रे, करम आपणां रे।  
मेहेराज कहे एम, कीधा छे घणा रे ॥

